**COURSE OUTCOMES**

**Department of HINDI –MASTER OF ARTS (M.A.)**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **S No** | **Class & Semester** | **Course & Course Code** | **COs** | **Course Outcomes** |
| 01. | M.A..HINDI & I-Sem | हिंदी साहित्य का इतिहास &MHL6101T | CO 1 | हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और काल विभाजन की पृष्ठभूमि को समझ पाएंगे। |
| CO2 | निर्गुण और सगुण काव्यधारा के कवियों की काव्य-विशेषताओं का विश्लेषण कर पाएंगे। |
| CO3 | रीतिकाल की पृष्ठभूमि और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों को समझ पाएंगे। |
| CO4 | भारतेंदु युग से समकालीन कविता तक की प्रवृत्तियों को पहचानेंगे | |
| CO5 | आधुनिक काव्य छात्रों को हिंदी साहित्य के विभिन्न कालखंडों और उनके साहित्यिक योगदान को समझने और उनके ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने में मदद करेंगे। |
| 02. | M.A..HINDI & I-Sem | प्राचीन और निर्गुण काव्य & MHL6102T | CO 1 | चंदबरदाई के काव्य की विशेषताओं का विश्लेषण करेंगे और उनके कार्यों का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में मूल्यांकन करेंगे |
| CO2 | विद्यापति की साहित्यिक योगदान और उनकी कविताओं की विशिष्टताओं का विश्लेषण करेंगे। |
| CO3 | "ढोला माल रा दूहा" की साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे।- कुशलराय के काव्य की विशेषताओं और उनकी कविताओं की विशिष्टताओं का विश्लेषण करेंगे। |
| CO4 | कबीर के काव्य में व्यक्त निर्गुण भक्ति के विचारों का अध्ययन करेंगे। |
| CO5 | हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलुओं को समझने और उनके ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने में मदद करेंगे। |
| 03. | M.A..HINDI & I-Sem | मध्यकलीन काव्य &  MHL6103T | CO 1 | भ्रमर गीत सार में व्यक्त भावनाओं और रसों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO2 | - विनय पत्रिका में व्यक्त भक्ति और विनय भावों का अध्ययन करेंगे। |
| CO3 | बिहारी सतसई में व्यक्त शृंगार रस और अन्य भावों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO4 | धनानंद कवित में व्यक्त भावनाओं और रसों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO5 | मीरा मुक्तावली में व्यक्त भक्ति और धार्मिक भावों का मूल्यांकन करेंगे। |
| 04. | M.A..HINDI & I-Sem | भारतीय काव्यशास्त्र &  MHL6104T | CO 1 | रस संप्रदाय के सिद्धांतों का अध्ययन करेंगे और उनके तत्त्वों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO2 | ध्वनि सिद्धांत के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन करेंगे और उनके तात्त्विक गुणों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO3 | रीत्ति और अलंकार संप्रदाय के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन करेंगे और उनके तात्त्विक गुणों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO4 | वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण करेंगे। |
| CO5 | भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न पहलुओं और व्यावहारिक रूप से लागू करने में मदद करेंगे। |
| 05. | M.A..HINDI & I-Sem | कबीरदास &  MHL6105T | CO 1 | कबीर पंथ के विकास का विश्लेषण करेंगे और उसके ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ का अध्ययन करेंगे। |
| CO2 | छात्र कबीर के काव्यात्मक व्यक्तित्व का विश्लेषण करेंगे और उनकी विशिष्टताओं का अध्ययन करेंगे। |
| CO3 | कबीर की साखियों में सामाजिक और धार्मिक संदर्भों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO4 | कबीर के पदों में सामाजिक और धार्मिक संदर्भों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO5 | छात्रों को कबीर के साहित्यिक योगदान और उनके काव्य के विभिन्न पहलुओं को समझने और उनके ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने में मदद करेंगे। |
| 06. | M.A..HINDI & II-Sem | आधुनिक हिंदी काव्य & MHL6201T | CO 1 | यह महाकाव्य रामकथा पर आधारित है, जहाँ नवम् सर्ग महत्वपूर्ण घटनाओं के द्वारा विद्यार्थियों के प्रति साहित्य की समझ होगी। |
| CO2 | 'कामायनी' में मानव मनोविज्ञान की गहराइयों को दर्शाया गया है। 'चिंता', 'श्रद्धा' और 'लज्जा' काव्य की महत्वपूर्ण इकाइयाँ हैं, जो मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करती हैं। |
| CO3 | 'कुकुरमुत्ता' व्यंग्यात्मक कविताएँ हैं, जबकि 'राम की शक्ति पूजा' में राम के संघर्ष और विजय की कथा है। |
| CO4 | सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, नौका विहार 'परिवर्तन' और 'नौका विहार' पंत जी की प्रमुख कविताएँ हैं, जो प्रकृति और मानवीय भावनाओं को उजागर करती हैं । |
| CO5 | मैं नीर भरी दुःख की बदली, जाग तुझको दूर जाना महादेवी वर्मा की कविताएँ गहरी संवेदनाओं और विषादपूर्ण भावनाओं को व्यक्त करती हैं । |
| 07. | M.A..HINDI & II-Sem | हिंदी आलोचक और आलोचना &  MHL6202T | CO 1 | आलोचना के विभिन्न सिद्धांतों की समझ (सैद्धांतिक, व्यवहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी |
| CO2 | रामचंद्र शुक्ल व हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवनी और आलोचना के योगदान की समझ |
| CO3 | रामविलास शर्मा व नगेंद्र की जीवनी और आलोचना के योगदान की समझ |
| CO4 | मुक्तिबोध व नामवर सिंह की जीवनी और आलोचना के योगदान की समझ |
| CO5 | इन इकाईयों के माध्यम से छात्रों को हिंदी आलोचना के इतिहास, विकास और प्रमुख आलोचकों की गहरी समझ प्राप्त होगी, जो उन्हें आलोचना की व्याख्या और विश्लेषण करने में मदद करेगी। |
| 08. | M.A..HINDI & II-Sem | हिंदी कथा साहित्य :उपन्यास और कहानी &  MHL6203T | CO 1 | गोदान उपन्यास में प्रयुक्त भाषा, शैली और कथा तकनीक की समझI |
| CO2 | फणीश्वर नाथ रेणु की जीवनी और साहित्यिक योगदान की समझI |
| CO3 | जैनेन्द्र कुमार की जीवनी और साहित्यिक योगदान की समझ |
| CO4 | विभिन्न कहानीकारों की जीवनी और साहित्यिक योगदान की समझ | |
| CO5 | हिंदी साहित्य के प्रमुख उपन्यासों और कहानियों की गहरी समझ प्राप्त होगी, जो उन्हें साहित्य की व्याख्या और विश्लेषण करने में मदद करेगी। |
| .  09. | M.A..HINDI & II-Sem | हिंदी नाटक और रंगमंच &  MHL6204T | CO 1 | हिंदी रंगमंच की परंपरा और नए प्रयोगों की समझ। |
| CO2 | जयशंकर प्रसाद की जीवनी और नाट्य योगदान की समझ। |
| CO3 | मोहन राकेश की जीवनी और नाट्य योगदान की समझ। |
| CO4 | भारतेंदु हरिश्चंद्र व भीष्म साहनी की जीवनी और नाट्य योगदान की समझ। |
| CO5 | इन इकाईयों के माध्यम से छात्रों को हिंदी नाट्य और नाट्यशास्त्र की गहरी समझ प्राप्त होगी, जो उन्हें नाट्य की व्याख्या और विश्लेषण करने में मदद करेगी। |
| 10. | M.A..HINDI & II-Sem | मुंशी प्रेमचंद -& MHL6205T | CO 1 | प्रेमचंद की जीवनी और उनके साहित्यिक योगदान की समझ |
| CO2 | प्रेमचंद के साहित्य में किसान, राष्ट्रवाद की समझ  - प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री, दलित, सांप्रदायिक की समझ |
| CO3 | - उपन्यासों में प्रयुक्त भाषा, शैली और कथा तकनीक की समझ, कौशल और ज्ञान प्राप्त होगा | |
| CO4 | प्रेमचंद की कहानियों "कफन", "पूस की रात", "सद्‌गति", "ईदगाह", "बूढी काकी", "मुक्ति मार्ग "दो बैलों की कथा" की व्याख्य और विश्लेषण  -में प्रयुक्त भाषा, शैली और कथा तकनीक की समझ | |
| CO5 | इन इकाईयों के माध्यम से छात्रों को प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और विचारों की गहरी समझ प्राप्त होगी। |
| 11. | M.A..HINDI & III-Sem | हिंदी उपन्यास & MHI-301 | CO 1 | छात्र "गोदान" उपन्यास की विषयवस्तु और पात्रों का विश्लेषण करेंगे। |
| CO2 | "बाणभट्ट की आत्मकथा" के माध्यम से प्राचीन भारतीय समाज और उसकी संरचनाओं का अध्ययन करेंगे। |
| CO3 | "मैला आँचल के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उसके प्रभावों का अध्ययन करेंगे। |
| CO4 | छात्र "मैला आँचल" उपन्यास की विषयवस्तु और पात्रों का विश्लेषण करेंगे। |
| CO5 | मित्रो मरजानी व कृष्णा सोबती की साहित्यिक शैली और भाषा का विश्लेषण करेंगेI |
| 12. | M.A..HINDI & III-Sem | आधुनिक हिंदी काव्य -& MHI-302 | CO 1 | नागार्जुन और भवानी प्रसाद मिश्र की साहित्यिक शैली और भाषा का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO2 | सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और विजयदेव नारायण साही की साहित्यिक शैली और भाषा का विश्लेषण करेंगे। |
| CO3 | धूमिल की रचनाओं "मोचीराम", "सुदूर पूर्व", और "रोटी का अध्ययन करेंगे। |
| CO4 | केदारनाथ सिंह के काव्य में सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO5 | केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का मूल्यांकन करेंगे। |
| 13. | M.A..HINDI & III-Sem | भारतीय काव्यशास्त्र -& MHI-303 | CO 1 | रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण का अध्ययन करेंगे। |
| CO2 | ध्वनि सिद्धांत के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO3 | छात्र अलंकार की अवधारणा, अलंकार संप्रदाय का महत्व और उनके प्रकारों का विश्लेषण करेंगे। |
| CO4 | औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व और उनके प्रकारों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO5 | - वक्रोक्ति सिद्धांत के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे। |
| 14. | M.A..HINDI & III-Sem | कबीरदास -&  MHI-304 | CO 1 | कबीर के काव्य में व्यक्त भावनाओं और विचारों का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO2 | - पतिव्रता धर्म और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता का अध्ययन करेंगे। |
| CO3 | चाणक कौ अंग के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO4 | सुरतन कौ अंग के साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे। |
| CO5 | आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के संपादन के महत्व का मूल्यांकन करेंगे। |
| 15. | M.A..HINDI & IV-Sem | हिंदी आलोचक और आलोचना &  MHI-401 | CO 1 | शुक्ल जी के आलोचना कार्य का महत्व व मूल्यांकन |
| CO2 | द्विवेदी जी के आलोचना कार्य की विशेषताएं की समझ |
| CO3 | नगेन्द्र जी के आलोचना कार्य का महत्व का विस्तार |
| CO4 | नंददुलारे वाजपेयी तथा रामविलास शर्मा का जीवन और कार्य की समझ |
| CO5 | प्रसाद, प्रेमचंद, अज्ञेय, मुक्तिबोध और विजय देवनारायण साही के साहित्य का विश्लेषण प्रसाद, प्रेमचंद, अज्ञेय, मुक्तिबोध और विजय देवनारायण साही के साहित्य का मूल्यांकन |
| 16. | M.A..HINDI & IV-Sem | पाश्चात्य आलोचना & MHI-402 | CO 1 | छात्र प्लेटो, अरस्तू, लॉजाइनस और वड्सवर्थ के साहित्यिक सिद्धांतों को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO2 | छात्र कॉलरिज, टी.एस. एलियट और आई.ए. रिचड्स के साहित्यिक सिद्धांतों को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO3 | छात्र नई समीक्षा और मार्क्सवादी समीक्षा की प्रमुख अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO4 | छात्र आधुनिक और औपनिवेशिक साहित्यिक सिद्धांतों को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO5 | छात्र इन पाश्चत्य आलोचना की अवधारणाओं सिद्धांतों के बीच के संबंधों को विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| 17. | M.A..HINDI & IV-Sem | हिंदी नाटक और रंगमंच &  MHI-403 | CO1 | छात्र भारत दुर्दशा नाटक की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO2 | छात्र चंद्रगुप्त की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO3 | छात्र आधे-अधूरे की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO4 | छात्र दया प्रकाश सिन्हा के जीवन और कार्य को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO5 | इन इकाईयों के माध्यम से छात्रों को जीवन, साहित्य और विचारों की गहरी समझ प्राप्त होगी I |
| 18. | M.A..HINDI & IV-Sem | मुंशी प्रेमचंद  & MHI-404 | CO1 | छात्र प्रेमचंद के उपन्यासों की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO2 | छात्र के प्रेमचंद नाटक कर्बला की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO3 | छात्र साहित्य के उद्देश्य को समझने में सक्षम होंगे।  छात्र आलोचना के विभिन्न पहलुओं को समझने में सक्षम होंगे। |
| CO4 | छात्र प्रेमचंद की कहानियों की व्याख्या और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। |
| CO5 | छात्रों को ज्ञान को समझने, विश्लेषण करने और मूल्यांकन करने की क्षमता प्रदान करता है। |